(मैनुअल/कंप्यूटर)

हिंदी टंकण परीक्षा - जुलाई, 2016

भारत सरकार, गृह मंत्रालय

हिंदी शिक्षण योजना, परीक्षा स्कंध

प्रश्न पत्र - प्रथम

बैच - IV

समय : 1 घंटा 40 मिनट पूर्णांक: 50

1. निम्नलिखित सारणी (स्टेटमेंट) सुन्दर ढंग से टाइप कीजिए :

(20 अंक)

खरीफ की पैदावार का राज्यवार अनुमानित विवरण

(टनों में)

राज्य	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
बिहार	1552	1567	1467	1350
उड़ीसा	934	978	1020	992
गुजरात	1345	1470	1590	1505
असम	672	721	690	675
छत्तीसगढ़	658	709	705	696
आंध्र प्रदेश	1357	1349	1380	1360
कर्नाटक	1438	1456	1478	1422

2. निम्नलिखित पत्र को सुन्दर ढंग से टाइप कीजिए:

(10 अंक)

सं0 उ0नि0/टंकण/21/15/471
भारत सरकार
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय
हिंदी शिक्षण योजना

पूर्वी खण्ड-7, तल-6,
आर0के0पुरम, नई दिल्ली,
दिनांक : 10 जनवरी , 2016

<u>ज्ञापन</u>

अक्सर देखने में आया है कि श्री च0छ0ज0, अ0श्रे0लि0 बिना किसी पूर्व सूचना के कार्यालय में गैर हाजिर पाए जाते हैं जो कि न केवल अशोभनीय है बल्कि नियमावरुद्ध है। हालांकि इस विषय में मौखिक रूप से उन्हें कई बार चेतावनी भी दी गई है परन्तु उन्होंने अपने आचरण में कोई सुधार नहीं किया है। इसलिए अब उन्हें लिखित चेतावनी दी जाती है कि वह नियमानुसार पूर्व सूचना के बाद ही कार्यालय छोड़ें अथवा छुट्टी पर जाया करें अन्यथा अधोहस्ताक्षरी उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने पर बाध्य होंगे।

(अ0ब0स0)
उप निदेशक(टं/आ.)

श्रीच0छ0ज0, अ0श्रे0लि0

3. निम्नलिखित हस्तलेख को इसमें किए गए संशोधन, परिवर्तन, परिवर्धन आदि का समावेश करते हुए ठीक प्रकार से टाइप कीजिए :-

(20 अंक)

Ctr. spaced hdg. ← सच्चा जीवन

अपने⅃ कहते हैं कि जीवन का आरंभ⅃ रोने,
जबकि अंत दूसरों के रोने से होता है। आरंभ
trs⅃ और अंत के बीच का समय प्रेम और आनंद
① से भरा होना चाहिए⊙ जीवन एक लम्बी यात्रा के
समान है। हमें जीवन की विपरीत परिस्थितियों
#⅃ से डरने की बजाय उनका डटकर सामना करना
H⅃ चाहिए। हम सभी समय⅃समय पर आपसी द्वेष,
९⅃ क्रोध⅃ भय और ईर्ष्या के कारण दुखी होते हैं।
H⅃ आस⅃पास का माहौल नकारात्मक
ऐसे हालात में हमारे
हो जाता है। इसके बजाय हमें शांतिपूर्वक जीवन
Run on व्यतीत करना चाहिए।
→ इसके अतिरिक्त दूसरों के लिए भी
#⅃सही⅃ शांति का निर्माण करना⅃चाहिए। सच्चे अर्थों
① में यही सच्चा जीवन है⅃

(मैनुअल/कंप्यूटर)

हिंदी टंकण परीक्षा—जुलाई, 2016

भारत सरकार, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय

हिंदी शिक्षण योजना (परीक्षा)

प्रश्न पत्र – द्वितीय

बैच - IV

समय : 10 मिनट | पूर्णांक : 50

राजा भागीरथ ने गंगा माता से स्वर्ग से धरती पर आने की प्रार्थना की तब	79
गंगाजी ने कहा भागीरथ, लोग गंगे हर कहकर मुझमें स्नान करेंगे और अपने पाप मुझमें	169
डाल जायेंगे। फिर उस पाप को मैं कहाँ धोऊंगी। भागीरथ कुछ देर शांत हो गये, बोले हे माँ	277
लोग गंगे हर कहकर तुझमें स्नान करेंगे और पाप डालेंगे, जिससे तुम दूषित तो होओगी	368
किंतु जब आत्मतीर्थ में नहाये हुए ब्रह्मज्ञानी महापुरुष तुममें स्नान करेंगे तो उनके	457
अंगस्पर्श से तुम्हारे पाप नष्ट हो जायेंगे और तुम पवित्र हो जाओगी। अत: जब ऐसे कुम्भों	558
में ब्रह्मज्ञानी महापुरुष गंगास्नान करने आते हैं तो पतित-पावनी गंगा स्वयं को पावन	645
करने का सौभाग्य प्राप्त कर तृप्त होती है। सौर-मंडल के विशिष्ट ग्रहों के विशेष राशियों	745
में प्रवेश करने से बना खगोलीय संयोग इस पर्व का आधार है। जब सूर्य और चन्द्रमा	843
मकर राशि में हों और ब्रहस्पति मेष अथवा वृषभ राशि में स्थित हो तब प्रयाग में कुम्भ	950
महापर्व का योग बनता है। इन दिनों यहाँ का वातावरण दिव्य, अदभुत तरंगों व स्पंदनों से	1044
भर जाता है, जो यहां के जल पर भी अपना प्रभाव छोड़ते हैं। जिससे पतित-पावनी गंगा की	1141
धारा और भी पावन हो जाती है, जिसमें स्नान करने से श्रद्धालुओं को विशेष शांति व	1237
प्रसन्नता की अनुभूति होती है। भागीरथी गंगा के जल में कभी कीड़े नहीं पड़ते हैं। यह माँ	1342
गंगा की अदभुत महिमा है, जो भारतीय संस्कृति की महानता का दर्शन कराती है। इसे	1431
औषधि के रूप में भी माना गया है। वैज्ञानिकों ने भी प्रयोगों द्वारा इस बात को स्वीकारा	1534
है। उनके अनुसार गंगाजल में ऑक्सीजन की मात्रा अत्यधिक होने और इसमें कुछ विशिष्ट	1626
जीवाणुओं के मौजूद होने से यह अत्यधिक विशिष्ट है। गंगाजल में हानिकारक जीवाणु नहीं	1723
पड़ते और मिलाये भी जाते हैं तो माँ गंगा में उन्हें दूर करने की अदभुत क्षमता है जो कि	1825
अन्य नदियों के जल में नहीं पायी जाती है।	1869
अमृत की प्राप्ति के लिए होनेवाला देवासुर संग्राम हमारे भीतर भी हो रहा है। तन,	1955
मन व मति के दोषों की निवृत्ति के लिए तीर्थ और कुम्भ पर्व हैं। संत तुलसीदासजी कहते	2050
हैं - वेद समुद्र है, ज्ञान मंदराचल है और संत देवता हैं जो उस समुद्र को मथकर कथारूपी	2145
अमृत निकालते हैं। उस अमृत में भक्ति और सत्संग रूपी मधुरता बसी रहती है। कुमति	2233
कृ0पृ0उ0	

के विचार ही असुर है। विवेक मथनी है और प्राण-अपान ही वासुकि नागरूपी रस्सी है। संसार ही सागर है। दैवी और आसुरी वृत्तियों को विवेकरूपी मंदराचल का सहयोग लेकर मंथन करते-करते अपने चित्तरूपी सागर से चैतन्य का अमृत खोजने की व्यवस्था का नाम है कुम्भ पर्व। वे लोग सच में बड़भागी हैं जिन्हें अपने मूल अमृत-स्वभाव आत्मा की ओर ले जानेवाला वातावरण और सत्संग मिल पाता है। आत्मज्ञान और उसको पाने की युक्तियाँ सबको सहज में मिल जाय, इसीलिए कुम्भ का पर्व है जिसमें संत-महात्माओं का सत्संग सान्निध्य मिलता है। हिंदुस्थान का कुंभ मेला दुनिया का सबसे बड़ा ऐसा मेला है या दुनिया का सबसे बड़ा ऐसा अवसर है जिसमें सबसे ज्यादा लोग एकत्रित होते हैं। ऐसा पूरी दुनिया में किसी भी अवसर पर इतने लोगों के जुटने का रिकॉर्ड नहीं है।	2322 2409 2498 2598 2689 2773 2862 2948 3024

हिन्दी आशुलिपि परीक्षा – जुलाई, 2016

परीक्षा स्कंध, हिन्दी शिक्षण योजना

(राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय)

प्रश्न-पत्र–I

बैच– II

डिक्टेशन समय : 5 मिनट | पूर्णांक : 100

लिप्यंतरण समय : 50 मिनट | (गति : 80 श.प्र.मि.)

माननीय सभापति महोदय, कुछ समय से रेल भर्ती बोर्ड के कामकाज की काफी आलोचना होती रही है। इसे / देखते हुए मैंने उनके कामकाज की समीक्षा की है और यह निर्णय लिया है कि रेल भर्ती बोर्ड के // प्रशासनिक ढांचे और भर्ती की प्रक्रिया में व्यापक स्तर पर सुधार किया जाए ताकि रेल भर्ती बोर्ड के कामकाज /// के तौर तरीके में सुधार लाया जा सके और यह भी तय हो सके कि रेल सेवा के लिए नियमों X के अंतर्गत योग्य उम्मीदवारों का ही चयन हो। इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। रेलवे में एक / रेल भर्ती नियंत्रण बोर्ड की स्थापना की गई है। यह भर्ती से संबंधित मामलों में रेल भर्ती बोर्ड को नीतिगत // आदेश जारी करेगा और यह भी देखेगा कि उन्हें सही ढंग से लागू किया जाता है या नहीं। इसके /// अलावा और भी कई उपाय किए गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भर्ती एक सुचारु प्रक्रिया X द्वारा हो। मुझे आशा है कि इन सभी उपायों से देश के नौजवानों को योग्यता के आधार पर रेल सेवा / में आने का मौका मिलेगा। इस प्रकार, व्यक्तियों की भर्ती से रेल गाड़ियां यात्रियों के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय सेवा // उपलब्ध करा सकेंगी।

महोदय, नई यात्री गाड़ियां चलाने, उनके फेरे बढ़ाने तथा उन सभी गाड़ियों के चलने के क्षेत्र /// का विस्तार करने, जनता के लिए अच्छी सेवा प्रदान करने तथा नए स्टेशन खोलने आदि के लिए हमेशा दबाव बना X रहता है। रेल यात्री सेवाएं मांग से सामान्यतः कम रही हैं और इसका मुख्य कारण है क्षमता की कमी / तथा इसे बढ़ाने के लिए संसाधनों की बहुत अधिक तंगी जो कि आम जनता के जीवन और // देश के आर्थिक विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। रेल गाड़ियां यात्री आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी /// हद तक सफल रही हैं। बेरोजगारों की सुविधा के लिए केन्द्र सरकार द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं X में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को दूसरे दर्जे में पूरी तरह से छूट दी जाएगी। यह छूट आवेदन और बुलावा / पत्र की प्रतिलिपि प्रस्तुत करने पर मिलेगी। इस प्रकार पहले से ही बहुत परेशान उम्मीदवारों को भी काफी राहत मिलेगी ।// साथ ही अपने सच्चे हृदय से वे रेलवे का आभार भी मानेंगे। रेलवे ने अन्य कई कल्याणकारी योजनाएं भी /// चलाई हैं जिनसे आम जनता को लाभ प्राप्त होता है। देश की प्रगति में रेलवे का बहुत बड़ा हाथ X है।

हिंदी आशुलिपि परीक्षा जुलाई – 2016
भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग
हिंदी शिक्षण योजना (परीक्षा स्कंध)
प्रश्न पत्र – द्वितीय
बैच-I

डिक्टेशन का समय : 5 मिनट
लिप्यंतरण का समय : 50 मिनट

पूर्णांक : 100
(गति : 100 शब्द प्र.मि.)

मुझे इस बात की बड़ी प्रसन्नता है कि योजना के अन्तर्गत देश में विकास कार्य हो रहा है, और अब हम इस दिशा में जो/ कुछ कर पाए हैं वह प्रशंसनीय है । लेकिन मुझे दु:ख के साथ कहना पड़ रहा है कि जहां कृषि के क्षेत्र में उत्पादन बढ़ रहा है, // उद्योग के क्षेत्र में उत्पादन बढ़ रहा है, देश की सम्पत्ति बढ़ रही है, हर आदमी की औसत आय भी बढ़ रही है, फिर /// भी हमारे यहां की पुरानी गरीबी बिल्कुल नहीं हटी है । मैं समझता हूं कि इस सदन के लिए और सरकार के लिए
1 विचार X करने का विषय है कि क्या कारण है कि जब हम कई वर्षों से अपने देश की गाढ़ी कंमाई का रुपया और दूसरे देशों से / कर्ज ले-ले लेकर बड़ी बड़ी रकमें देश के विकास के लिए खर्च कर रहे हैं और देश में धन भी पैदा हो रहा है, // तब भी देश में जहां लोग गरीब हैं उनकी गरीबी दूर नहीं हो रही है । क्या यह आश्चर्य की बात नहीं है ? मैं समझता /// हूं कि यह सोचने की बात है ।

यह सही है कि हम समाजवाद के रास्ते पर जा रहे हैं लेकिन समाजवाद के रास्ते पर ठीक
2 X ठीक चलें तो भी हम यह अन्दाजा नहीं लगा पाते कि कितने वर्षों में हमारे देश की गरीबी दूर होगी । यह सही है कि हम / योजना के तरीके पर काम कर रहे हैं, लेकिन इस बात को देखने की आवश्यकता जब पैदा हो गई है कि देश में जो धन // पैदा होता है वह कहां जाता है । इतनी प्रगति होने पर भी हम देखते हैं कि गरीबी दूर नहीं हो पा रही है । गरीबों /// को खाने के लिए अन्न नहीं मिलता, पहनने के लिए कपड़ा नहीं मिलता, इसका क्या कारण है, यह गम्भीरतापूर्वक सोचने की बात
3 है । X यह समस्या केवल समाजवाद के ढांचे वाला प्रस्ताव पास करने से ही हल नहीं होगा और न योजनापूर्वक बड़े बढ़े कारखाने खोलने से हल/ होगा यह आवश्यक है कि बड़े बड़े कारखाने खेले जाएं इस्पात के कारखाने खोले जाएं, इस्पात का उत्पादन बढ़े, लोहे का उत्पादन बढ़े, कोयले का// उत्पादन बढ़े । लेकिन सरकार को इस बात को सोचने की जरूरत है कि क्या कारण है कि इतना उत्पादन बढते हुए भी देश के जो ///असली गरीब हैं, जो खेती में कार्य करने वाले खेतिहर मजदूर हैं, जो गांवों
4 के लोग हैं उनकी दशा में सुधार नहीं हो रहा X है । इस की जांच होनी चाहिए । यह बात सही है कि हाल में इस बात की जांच करने के लिए एक कमेटी बिठाई गई है / उसे यह काम दिया गया है कि वह पता लगाए कि देश में जो धन पैदा हो रहा है वह देश के किस वर्ग की // जेब में जा रहा है। मैं इसका स्वागत करता हूं, लेकिन मैं समझता हूं कि हमें केवल इस कमेटी पर, जो कई वर्ष में /// अपनी रिपोर्ट पेश करेगी, भरोसा कर के नहीं बैठे रहना चाहिए । सरकार को सोचना चाहिए कि हमारी
5 अर्थ-व्यवस्था में तो कोई दोष नहीं है । X